Impact Factor – 6.261 ISSN – 2348-7143
INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

RESEARCH JOURNEY

INTERNATIONAL E-RESEARCH JOURNAL

PEER REFREED & INDEXED JOURNAL
February - 2019 SPECIAL ISSUE- 117

Literature & Translation

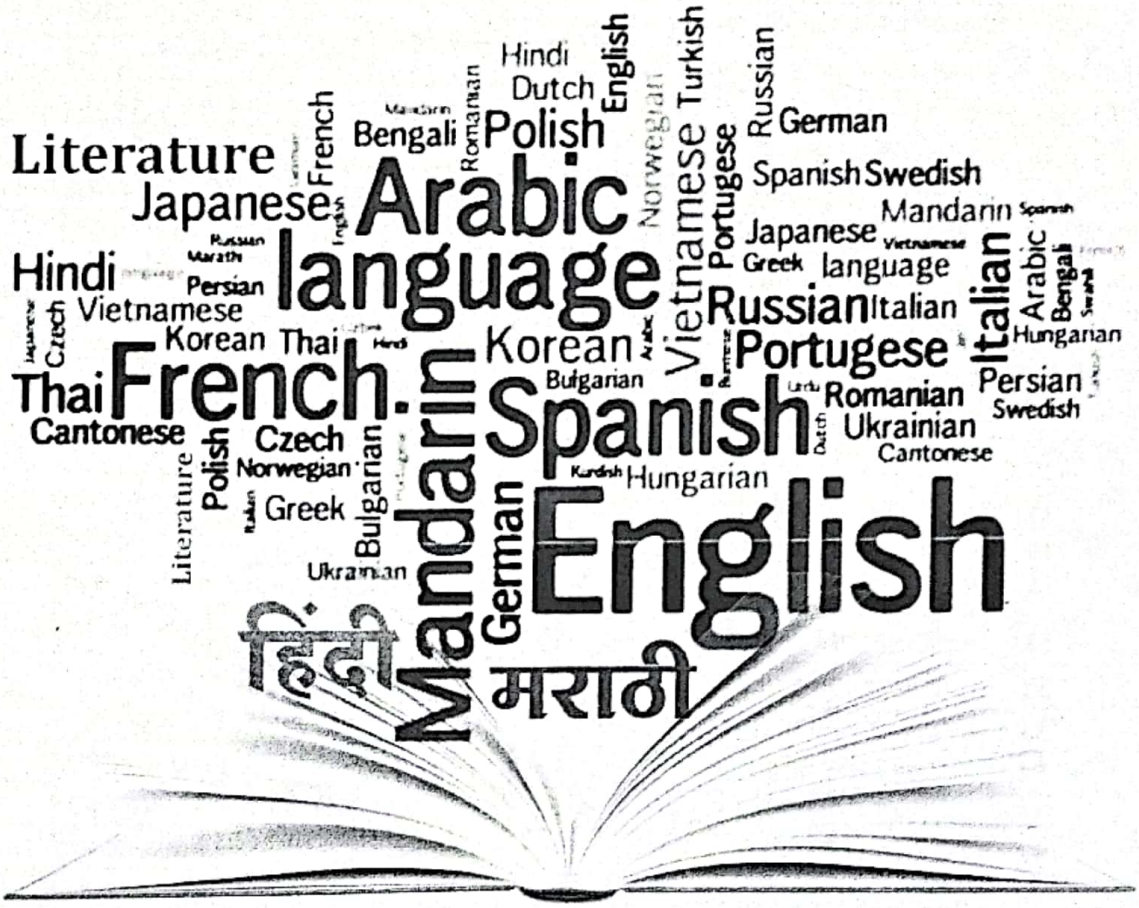

Guest Editor:
Dr. B. S. Jagdale
Principal
MGV's Arts, Science & Commerce College,
Manmad, Dist. Nashik [M.S.] INDIA

Chief Editor :
Dr. Dhanraj T. Dhangar
Yeola, Dist. Nashik (MS) India.

Executive Editor of the issue :
Dr. P. G. Ambekar
Dr. V. T. Thorat
Dr. Shailaja Jaiswal
Prof. Mrs. Kavita Kakhandaki
Prof. J. P. Jondhale
Prof. M.M. Ahire
Dr. Mrs. Yogita Ghumare

This Journal is indexed in :
- UGC Approved Journal
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmos Impact Factor (CIF)
- Global Impact Factor (GIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)
- Indian Citation Index (ICI)
- Dictionary of Research Journal Index (DRJI)

SWATIDHAN PUBLICATIONS

Scanned with OKEN Scanner

'RESEARCH JOURNEY' International E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676(2013)
Special Issue 117- Literature & Translation
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
February 2019

31	अनुवाद : परिभाषा और प्रक्रिया	प्रा. [illegible]	111
32	विज्ञापन और अनुवाद	डॉ. [illegible]	115
33	हिंदी साहित्य में अन्य भाषाओं से अनुदित साहित्य	डॉ. [illegible]	117
34	संत कान्होपात्रा के अभंगों में विठ्ठल भक्ति	डॉ. [illegible]	120
35	हिंदी साहित्य में अन्य भाषाओं से अनुदित साहित्य	डॉ. [illegible]	123
36	किशोर शांताबाई काळे की आत्मकथा छोरा कोल्हाटी का : [illegible]	डॉ. [illegible]	125
37	अनुवाद की समस्याएँ एवं उपाय	डॉ. [illegible]	128
38	अनुवाद : अनुवाद प्रक्रिया और अनुवादक के गुण	प्रा. [illegible]	131
39	भूमण्डलीकरण युग में अनुवाद की उपयोगिता	[illegible], डॉ. [illegible]	136
40	अनुवाद का क्षेत्र और हिंदी	डॉ. [illegible], प्रा. [illegible]	138
41	अनुवाद की अन्य क्षेत्रों में उपलब्धियाँ	प्रा. [illegible]	142
42	अनुवाद प्रक्रिया एवं सृजनशीलता	डॉ. [illegible], [illegible]	145
43	हिंदी साहित्य में अनुवाद परम्परा	डॉ. [illegible]	148
44	मराठी से हिंदी में अनुदित सामग्री का त्रुटीविश्लेषण	श्रीमती [illegible]	151
45	प्राचीन बाल कथा साहित्य के अनुवाद में जीवन मूल्य	[illegible]	154
46	अनुवाद कि अवधारणा एवं उसका क्षेत्र	डॉ. [illegible]	157
47	अनुवाद : स्वरूप एवं धारणा	[illegible]	163
	मराठी विभाग		
48	भाषांतर मीमांसा व विविध क्षेत्रीय भाषांतराचे स्वरूप	डॉ. [illegible]	166
49	भाषांतर व अनुवाद : अर्थ, विकास आणि संधी	डॉ. [illegible]	172
50	भाषांतरातील अडचणी आणि उपाययोजना	डॉ. [illegible]	176
51	अनुवाद - भाषांतर - रूपांतर : संकल्पना आणि आवश्यकता	डॉ. [illegible]	182
52	भारतीय साहित्याचे भाषांतर	डॉ. [illegible]	187
53	अनुवाद संकल्पना व परंपरा	डॉ. [illegible]	191
54	भाषांतर स्वरूप आणि संकल्पना	प्रा. [illegible]	195
55	भाषांतर : स्वरूप शोध	डॉ. [illegible]	200
56	भाषांतर स्वरूप आणि संकल्पना	प्रा. [illegible]	204
57	अनुवाद- भाषांतर- रूपांतर : संज्ञा संकल्पना	डॉ. [illegible]	208
58	भाषांतर संस्कृती	डॉ. [illegible]	211
59	भाषांतराचे सांस्कृतिक सामाजिक योगदान	प्रा. [illegible]	214
60	भाषांतरातील सृजनशीलता	डॉ. [illegible]	218
61	साहित्य अकादमीचे अनुवादातील योगदान	डॉ. [illegible]	221
62	भाषांतरातील सर्जनशीलता	प्रा. [illegible]	225
63	भाषांतर : स्वरूप, प्रकार व कार्य	प्रा. [illegible]	230
64	प्रसारमाध्यमे आणि भाषांतर	प्रा. [illegible]	236

Our Editors have reviewed paper with experts' committee, and they have checked the papers on their level best to stop furtive literature. Except it, the respective authors of the papers are responsible for originality of the papers and intensive thoughts in the papers. Nobody can republish these papers without pre-permission of the publisher.

- Chief & Executive Editor

Scanned with OKEN Scanner

31	अनुवाद : परिभाषा और प्रक्रिया	प्रा.राजाराम शेवाले	111
32	विज्ञापन और अनुवाद	डॉ. योगेश दाणे	113
33	हिंदी साहित्य में अन्य भाषाओं से अनुदित साहित्य	डॉ. शोभा राणे	117
34	संत कान्होपात्रा के अभंगो में विठ्ठल भक्ति	डॉ. नवनाथ गाडेकर	120
35	हिंदी साहित्य में अन्य भाषाओं से अनुदित साहित्य	डॉ. अनिता वेताल – अत्रे	123
36	किशोर शांताबाई काले की आत्मकथा छोरा कोल्हाटी का : दर्द का दस्तावेज	डॉ. विष्णू राठोड	125
37	अनुवाद की समस्याएँ एवं उपाय	डॉ. मिनल बर्वे	128
38	अनुवाद : अनुवाद प्रक्रिया और अनुवादक के गुण	प्रा.आर.एन. वाकले	131
39	भूमण्डलीकरण युग में अनुवाद की उपयोगिता	संतोष पगार, डॉ.अशोक धुलधुले	134
40	अनुवाद का क्षेत्र और हिंदी	डॉ. जालिंदर इंगले, प्रा. संदिप देवरे	138
41	अनुवाद की अन्य क्षेत्रों में उपलब्धियाँ	प्रा. आर. जे. बहोत	142
42	अनुवाद प्रक्रिया एवं सृजनशीलता	डॉ. जालिंदर इंगले, जयश्री गायकवाड	145
43	हिंदी साहित्य में अनुवाद परम्परा	डॉ. जिजाबराव पाटील	148
44	मराठी से हिंदी में अनूदित सामग्री का त्रुटीविश्लेषण	श्रीमती. प्रिया कदम	151
45	प्राचीन बाल कथा साहित्य के अनुवाद में जीवन मूल्य	सागर चौधरी	154
46	अनुवाद कि अवधारणा एवं उनका क्षेत्र	डॉ. इल्यास जेठवा	157
47	अनुवाद : स्वरूप एवं धारणा	उज्ज्वला अहिरे	163
	मराठी विभाग		
48	भाषांतर मीमांसा व विविध क्षेत्रीय भाषांतराचे स्वरूप	डॉ. सुधाकर शेलार	166
49	भाषांतर व अनुवाद : उगम, विकास आणि संधी	डॉ. राजेंद्र सांगळे	172
50	भाषांतरातील अडचणी आणि उपाययोजना	डॉ. मृणालिनी कामत	176
51	अनुवाद - भाषांतर - रुपांतर : संकल्पना आणि आवश्यकता	डॉ. विलास थोरात	182
52	शास्त्रीय साहित्याचे भाषांतर	डॉ. प्रमोद आंबेकर	187
53	अनुवाद संकल्पना व परंपरा	डॉ. भाऊसाहेब गमे	191
54	भाषांतर स्वरूप आणि संकल्पना	प्रा.ए.जी.नेरकर	195
55	भाषांतर : स्वरूप शोध	डॉ. आनंद वारके	200
56	भाषांतर स्वरूप आणि संकल्पना	प्रा. गजानन भामरे	204
57	अनुवाद- भाषांतर- रुपांतर : संज्ञा संकल्पना	डॉ. अरुण पाटील	208
58	भाषांतर संस्कृती	डॉ. स्नेहल मराठे	211
59	भाषांतराचे सांस्कृतिक सामाजिक योगदान	प्रा. विद्या बोरसे	214
60	भाषांतरातील सृजनशीलता	डॉ. आनंदा गांगुर्डे	218
61	साहित्य अकादमीचे अनुवादातील योगदान	डॉ. सुरेखा जाधव	221
62	भाषांतरातील सर्जनशीलता	प्रा. अनुराधा मोरे	225
63	भाषांतर : स्वरूप, प्रकार व कार्य	प्रा. युवराज भामरे	230
64	प्रसारमाध्यमे आणि भाषांतर	प्रा. भीमसेन आवटे	236

Our Editors have reviewed paper with experts' committee, and they have checked the papers on their level best to stop furtive literature. Except it, the respective authors of the papers are responsible for originality of the papers and intensive thoughts in the papers. Nobody can republish these papers without pre-permission of the publisher.

- Chief & Executive Editor

Scanned with OKEN Scanner

'RESEARCH JOURNEY' International E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 117- Literature & Translation
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
February-2019

अनुवाद : परिभाषा और प्रक्रिया

सहा.प्रा. राजाराम जी.शेवाळे
श्रीमती पुष्पाताई हिरे महिला महाविद्यालय,
मालेगांव–कैंप, तह.मालेगांव, जि.नाशिक

'अनुवाद' शब्द का संबंध 'वद' से है, जिसका अर्थ होता है – 'बोलना' या 'कहना' । 'वद' धातु में 'धञ्' प्रत्यय लगने से 'वाद' बनता है और फिर उसमें 'पीछे', 'बाद में' अनुवर्तिता आदि अर्थों में प्रयुक्त 'अनु' उपसर्ग जुडने से 'अनुवाद' शब्द निष्पन्न होता है । 'अनुवाद' का मूल अर्थ है 'पुनःकथन' या 'किसी के कहने के बाद कहना' ।

आज अनुवाद शब्द व्यापक अर्थ में प्रयुक्त हो रहा है । आधुनिक युग में हर क्षेत्र में अपना स्थान बन चुका है और इसकी जरुरत अनुभव की जा रहा है, बशर्ते अनुवाद की उपयोगिता पर विचार करने से पूर्व यह समझना आवश्यक है कि अनुवाद क्यों किया जाता है तथा इसकी जरुरत हमें कब और क्यों पड़ती है ? आज भौतिक चीज़ों ने हमारे बीच की दूरियों को एकदम खत्म कर दिया है । इससे हमारी दूसरों के साहित्य, संस्कृति व सामाजिक परिवेश को जानने की जिज्ञासा हर पल निर्माण होती रहती है, अपितु हम उस देश की विशेष भाषा पर अधिकार न होने से अनुदित साहित्य ही एकमात्र पर्याय रहता है । जिसके माध्यम से हम उस समाज के साहित्य, संस्कृति को समझ सकते हैं । विभिन्न विज्ञानों की तरह ही आज अनुवाद भी अनुवादविज्ञान के रुप में वैज्ञानिक स्वरुप प्राप्त कर चुका है तथा अपने स्वरुप को इतना व्यापक बना चुका है कि अनुवाद की कोई सर्वमान्य परिभाषा पाना कठिण हो गया है । हम सब जानते है कि सिद्धांतो के आधार पर सिद्धांत अवश्य बनाये जा सकते हैं, किंतु सिद्धांतो के आधार पर अनुवाद नहीं किया जा सकता । एक अच्छा अनुवादक विषय की माँग, पाठक की रुचि, अनुवाद की आवश्यकता, पाठक–वर्ग, सम–विषम संस्कृति तथा भाषा की प्रवृत्ति के आधार पर अनुवाद करता हैं, जिससे अनुवाद का कार्य अलग स्वरुप प्राप्त करता है ।

अब हम विभिन्न विद्वानों द्वारा अनुवाद की परिभाषाओं को देखेंगे तो उसका तात्पर्य यह नहीं कि किसी विद्वान की अपूर्ण या किसी विद्वान की परिभाषा कमतर हैं –

१) ए. एच. स्मिथ – "यथासंभव अर्थ बनाये रखते हुए एक भाषा से दूसरी भाषा में अर्थ के अंत रण ही अनुवाद है ।"

२) मालीओनोव्हस्की (MalionoWaski) – "अनुवाद सांस्कृतिक संदर्भो का एकीकरण है ।"

३) जेम्स हॉलमेस (James Holmes) – "सभी तरह का अनुवाद कार्य आलोचनात्मक व्याख्या है ।"

४) कॅटफोर्ड (Catford) – "एक भाषा की पाठ्यसामग्री को दूसरी भाषा की समानार्थक पाठ्यसामग्री से प्रतिस्थापित करना अनुवाद है ।"

५) फिन्ले (Finlay) – "एक भाषा से दूसरी भाषा में पाठ की प्रस्तुति अनुवाद है ।"

इस प्रकार अनेक परिभाषाएँ तथा विचार हम दे सकते हैं, उन पर समीक्षात्मक मंथन भी कर सकते है।

अनुवाद प्रक्रिया :

अनुवाद की परिभाषाओं के आधार पर उसका स्वरुप निश्चित करते समय दो भाषाओं का संप्रेषण व्यापार ही प्रमुख रहता है । स्थूल रुप से अनुवाद प्रक्रिया में दूसरी भाषा का प्रयोक्ता अर्थ ग्रहण करके उसे अपनी भाषा में व्यक्त करता है । इसके किए अनुवादक तीन बातों को आधार बनाकर चलता है । अनुवादक इस प्रक्रिया में दोहरी भूमिका निभाता है । पहले वह स्त्रोत भाषा के आधार पर पाठक के रुप में दिखाई देता है और दूसरी ओर वह लक्ष्य भाषा में जब अनुवादित सामग्री प्रस्तुत करता है तब वह लेखक की भूमिका में दिखाई देता है । आरंभ में पाठक के रुप में वह मूल पाठ के रुप में वह मूल पाठ के लेखक की रचना से

Scanned with OKEN Scanner

'RESEARCH JOURNEY' International E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 117- Literature & Translation
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
February-2019

अपना तादात्म्य स्थापित करता है, इस पाठ का आस्वादन से अर्थ को जोड़ता है, जिससे वह स्वयं पाठक, उनका समझ सकता है कि जो बात वह संप्रेषित करना चाहता है ।

अनुवाद की प्रक्रिया किस रूप में चलती है । इस सन्दर्भ में विश्व प्रसिद्ध भाषा वैज्ञानिक नाइडा के सिद्धांत को आधार बनाया जा सकता है । उनके अनुसार अनुवाद-प्रक्रिया के तीन प्रमुख आयाम माने है – विश्लेषण (Analysis), अंतरण (Transfer) तथा पुनर्गठन (Rearrangement) । अनुवाद करते समय अनुवादक को तीन प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है । सबसे पहले अनुवादक स्रोतभाषा के पाठ का पठन करके उसमें निहित संदेश का विश्लेषण करता है । इस समय वह स्रोत भाषा का अर्थ ग्रहण करता है । तदुपरान्त उसे लक्ष्य भाषा में अंतरित करने की प्रक्रिया में आता है और लक्ष्य भाषा में इसका स्थान निश्चित कर उसे लक्ष्य भाषा के व्याकरण एवं प्रकृति के अनुसार उस संदेश को पुनर्गठित करता है । जिसका अंतिम स्वरूप अनूदित पाठ के रूप में पाठक के सम्मुख आता है ।

इस संदर्भ में एक बात ध्यान रखने की है कि अनुवाद प्रक्रिया के उपर्युक्त आयाम अनुवाद की संकल्पना पर पूरी तरह से प्रकाश नहीं डालते, फिर भी आधार रूप में सिद्धांत को महत्वपूर्ण माना जाता है । सामान्यतः भाषा – स्रोत भाषा से भाषा – २ लक्ष्य भाषा में भिन्न किस्म आवश्यकता कोई भी अनुवाद स्थूल रूप से इस प्रक्रिया से होकर गुजरता है ।

प्रत्येक स्तर पर अनुवादक को अनूदित पाठ की संप्रेषणीयता पर विशेष ध्यान केंद्रित करना पड़ता है । वास्तव में तीन आयाम एक दूसरे से संबद्ध है । उपर्युक्त विवेचन से यह सिद्ध नहीं होता है कि अनुवादक इन आयामों से होकर जाये । यह भी संभव है कि, अनुवादक किसी पाठ विशेष के संदर्भ में विश्लेषण करे ही ऐसा नहीं । अपितु सीधे अंतरण की प्रक्रिया में आ जाये । यह सब अनुवादक की व्यक्तिक क्षमता और पाठ की आवश्यकता पर अधिक निर्भर करता है । पुनर्गठन का आयाम अपने आप में महत्वपूर्ण है । अतः यह आयाम विशेष श्रम पर निर्भर है । अनुवाद के प्रथम आयाम का जब तक समीक्षात्मक विश्लेषण कर उसे पुनर्गठित नहीं करेगा, तब तक अनुवाद की सार्थकता सिद्ध नहीं हो पायेगी ।

संदर्भ ग्रंथ –

१. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ, संपा. आर. एन. श्रीवास्तव तथा के. के. गोस्वामी
२. अनुवाद सिद्धांत और अभ्यास, इ. ए. नाइडा और चार्ल्स आर. टैबर